

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार

अभ्यास प्रश्न-पत्र

मध्यावधि परीक्षा-2026

कक्षा – X

समय: 3 घंटे

विषय: सामाजिक विज्ञान

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश:

1. प्रश्न पत्र में कुल 38 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न पत्र चार खंडों में विभाजित हैं: खंड क- इतिहास, खंड ख- भूगोल, खंड ग- राजनीतिक विज्ञान और खंड घ- अर्थशास्त्र।
3. प्रत्येक खंड 20 अंकों का है और इसमें बहुविकल्पीय प्रश्न, अति लघु उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न, दीर्घ उत्तरीय प्रश्न और केस आधारित प्रश्न शामिल हैं।
4. अति लघु उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक दो अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. लघु उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक तीन अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रत्येक पांच अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
7. केस आधारित प्रश्न में तीन उप प्रश्न हैं और ये प्रत्येक चार अंकों के हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
8. मानचित्र आधारित प्रश्न पांच अंकों के हैं, जिसमें दो भाग हैं- खंड क: इतिहास (दो अंक) और खंड ख: भूगोल (तीन अंक)।
9. प्रश्न पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। हालांकि कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किए गए हैं। ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का ही उत्तर देना अनिवार्य है।
10. इसके अतिरिक्त यह नोट करें कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ऐसे प्रश्नों के स्थान पर पृथक प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें दृश्य संकेत या मानचित्र आधारित जानकारी होती है। ऐसे प्रश्न केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों द्वारा ही हल किए जाने हैं।

	खंड – क (इतिहास)	20								
1.	नीचे दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है। कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। अभिकथन (A): 1900 की संगीत पुस्तक के आवरण 'डॉन ऑफ द सेंचुरी' में प्रगति के देवदूत को पंखों वाले चक्र पर बैठा दिखाया गया है। कारण (R): यह छवि मशीनों, प्रौद्योगिकी, रेलवे, कैमरा और कारखाने को प्रगति के प्रतीक के रूप में महिमामंडित करती है। विकल्प A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। B. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता। C. A सही है, R गलत है। D. A गलत है, R सही है।	1								
2.	नीचे दिए गए कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन I: भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास औपनिवेशिक-विरोधी आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है। कथन II: औपनिवेशिक शासन के अधीन उत्पीड़ित होने की भावना ने कई विभिन्न समूहों को एक साझा बंधन में बाँध दिया। विकल्प A. दोनों कथन सही हैं। B. कथन I सही है, कथन II गलत है। C. कथन I गलत है, कथन II सही है। D. दोनों कथन गलत हैं।	1								
3.	स्तंभ I को स्तंभ II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए। <table><tr><td>स्तंभ I</td><td>स्तंभ II</td></tr><tr><td>1. प्रगति का देवदूत</td><td>क. प्राच्य जादूगर</td></tr><tr><td>2. प्राच्य से अलादीन</td><td>ख. प्रगति के प्रतीक – रेलवे, मशीनें</td></tr><tr><td>3. तैरते हुए प्रतीक</td><td>ग. नए युग का झंडा थामे देवी जैसी आकृति</td></tr></table> विकल्प A. 1-ग, 2-क, 3-ख B. 1-क, 2-ख, 3-ग C. 1-ख, 2-ग, 3-क D. 1-ग, 2-ख, 3-क	स्तंभ I	स्तंभ II	1. प्रगति का देवदूत	क. प्राच्य जादूगर	2. प्राच्य से अलादीन	ख. प्रगति के प्रतीक – रेलवे, मशीनें	3. तैरते हुए प्रतीक	ग. नए युग का झंडा थामे देवी जैसी आकृति	1
स्तंभ I	स्तंभ II									
1. प्रगति का देवदूत	क. प्राच्य जादूगर									
2. प्राच्य से अलादीन	ख. प्रगति के प्रतीक – रेलवे, मशीनें									
3. तैरते हुए प्रतीक	ग. नए युग का झंडा थामे देवी जैसी आकृति									

4.	असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा गलत मिलान है? A. महात्मा गाँधी – विभिन्न समूहों को आंदोलन में जोड़ने का प्रयास किया। B. कांग्रेस – राष्ट्रीय आंदोलन को विकसित करने का प्रयास किया। C. विभिन्न सामाजिक समूह – स्वतंत्रता की हमेशा एक जैसी धारणा रखते थे। D. औपनिवेशिक-विरोधी संघर्ष – उत्पीड़न का साझा बंधन प्रदान किया।	1
5.	‘डॉन ऑफ द सेंचुरी’ (1900) की छवि ने प्रगति और औद्योगीकरण के विचार को किस एक तरीके से महिमामंडित किया? स्पष्ट कीजिए।	2
6.	महात्मा गाँधी के नेतृत्व ने विभिन्न समूहों को एक राष्ट्रीय आंदोलन में जोड़ने में क्या भूमिका निभाई?	3
7.	‘भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास औपनिवेशिक-विरोधी आंदोलन से गहराई से जुड़ा हुआ है।’ असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के विशेष संदर्भ में इस कथन की परीक्षा कीजिए। अथवा नए प्रतीकों, चिह्नों, गीतों और विचारों ने यूरोप और भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के निर्माण में नए संबंध कैसे बनाए और समुदायों की सीमाओं को कैसे पुनर्परिभाषित किया? स्पष्ट कीजिए।	5
8.	नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। <i>1848 में, फ्रांसीसी कलाकार फ्रेडरिक सॉर्यू ने ‘लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों’ से बने विश्व के अपने सपने को चित्रित करते हुए चार प्रिंट्स की एक श्रृंखला तैयार की। पहला प्रिंट यूरोप और अमेरिका के लोगों – सभी आयु और सामाजिक वर्गों के पुरुषों और महिलाओं – को एक लंबी कतार में मार्च करते और स्वतंत्रता की मूर्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिखाता है। ... छवि के अग्रभाग में निरंकुश संस्थाओं के प्रतीकों के टूटे हुए अवशेष पड़े हैं। सॉर्यू की यूटोपियन दृष्टि में, विश्व के लोगों को अलग-अलग राष्ट्रों के रूप में समूहित किया गया है, जिन्हें उनके झंडों और राष्ट्रीय वेशभूषा से पहचाना जाता है।</i> 8.1. लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों के विश्व को चित्रित करने वाली प्रिंट्स की श्रृंखला किसने तैयार की? (1) 8.2. छवि के अग्रभाग में टूटे हुए अवशेष क्या दर्शाते हैं? (1) 8.3. पहले प्रिंट में दिखाए गए फ्रेडरिक सॉर्यू के यूटोपियन दृष्टि का वर्णन कीजिए। किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (2)	1 + 1 + 2 = 4
9.	भारत के राजनीतिक रेखामानचित्र पर दो स्थान A और B के रूप में अंकित हैं। इन स्थानों को पहचान कर इनके नाम लिखिए। (i) वह स्थान जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था। (ii) वह स्थान जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न सं. 9 के स्थान पर दिया गया है।	2x1 = 2

	9.1. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था। 9.2. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।	1 1								
	खंड – ख (भूगोल)	20								
10.	नीचे दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है। कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। अभिकथन (A): हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जिसे हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयोग किया जा सकता है, बशर्ते वह तकनीकी रूप से सुलभ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य हो, उसे 'संसाधन' कहा जा सकता है। कारण (R): संसाधन प्रकृति के मुक्त उपहार हैं और उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं है। विकल्प A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। B. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता। C. A सही है, R गलत है। D. A गलत है, R सही है।									
11.	नीचे दिए गए कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन I: उत्पत्ति के आधार पर संसाधनों को जैविक और अजैविक में वर्गीकृत किया जा सकता है। कथन II: समाप्ति की संभावना के आधार पर संसाधनों को नवीकरणीय और अनवीकरणीय में वर्गीकृत किया जाता है। विकल्प A. दोनों कथन सही हैं। B. कथन I सही है, कथन II गलत है। C. कथन I गलत है, कथन II सही है। D. दोनों कथन गलत हैं।	1								
12.	स्तंभ I को स्तंभ II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए। (1) <table><tr><td>स्तंभ I</td><td>स्तंभ II</td></tr><tr><td>1. स्वामित्व</td><td>क. संभावित, विकसित स्टॉक, भंडार</td></tr><tr><td>2. विकास की स्थिति</td><td>ख. व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय</td></tr><tr><td>3. समाप्ति की संभावना</td><td>ग. नवीकरणीय और अनवीकरणीय</td></tr></table> विकल्प A. 1-ख, 2-क, 3-ग B. 1-क, 2-ख, 3-ग C. 1-ग, 2-क, 3-ख D. 1-ख, 2-ग, 3-क	स्तंभ I	स्तंभ II	1. स्वामित्व	क. संभावित, विकसित स्टॉक, भंडार	2. विकास की स्थिति	ख. व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय	3. समाप्ति की संभावना	ग. नवीकरणीय और अनवीकरणीय	1
स्तंभ I	स्तंभ II									
1. स्वामित्व	क. संभावित, विकसित स्टॉक, भंडार									
2. विकास की स्थिति	ख. व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय									
3. समाप्ति की संभावना	ग. नवीकरणीय और अनवीकरणीय									

18.	भारत में वनों और वन्यजीवों के संरक्षण के आवश्यक होने के कोई तीन कारण बताइए।	3
19.	‘सतत् आर्थिक विकास का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना होना चाहिए, और वर्तमान में विकास भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता नहीं करना चाहिए।’ रियो डि जेनेरो पृथ्वी शिखर सम्मेलन, 1992 और एजेंडा 21 के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। अथवा संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग से उत्पन्न प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण कीजिए। संसाधन नियोजन इन समस्याओं को दूर करने में कैसे सहायक हो सकता है?	5 5
20.	प्रश्न सं. 9 के लिए दिए गए भारत के उसी रेखामानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को अंकित कीजिए और नाम लिखिए: (i) महानदी पर एक प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजना। (ii) सरदार सरोवर बाँध (iii) नार्गाजुन सागर बाँध (iv) राणा प्रताप सागर बाँध नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए प्रश्न सं. 20 के स्थान पर दिया गया है। (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।) 20.1. उस राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश का नाम लिखिए जहाँ सलाल बाँध अवस्थित है। 20.2. उस राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश का नाम लिखिए जहाँ सरदार सरोवर बाँध अवस्थित है। 20.3. उस राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश का नाम लिखिए जहाँ नार्गाजुन सागर बाँध अवस्थित है। 20.4. उस राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश का नाम लिखिए जहाँ राणा प्रताप सागर बाँध अवस्थित है।	3x1 =3 1 1 1 1
	खंड – ग (राजनीति विज्ञान)	
21.	नीचे दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है। कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। अभिकथन (A): लोकतंत्र में सारी शक्ति सरकार के किसी एक अंग के पास नहीं होती। कारण (R): विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्ति का बुद्धिमानी भरा बँटवारा लोकतंत्र की संरचना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विकल्प A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। B. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता। C. A सही है, R गलत है। D. A गलत है, R सही है।	1
22.	सत्ता की साझेदारी के संदर्भ में नीचे दिए गए कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन I: बेल्जियम और श्रीलंका की कहानियाँ हमें इस बारे में बताती हैं कि लोकतंत्र शक्ति-साझाकरण की माँगों को कैसे संभालते हैं।	1

	कथन II: ये लोकतंत्र में शक्ति-साझाकरण की आवश्यकता के बारे में कुछ सामान्य निष्कर्ष देती हैं। विकल्प A. दोनों कथन सही हैं। B. कथन I सही है, कथन II गलत है। C. कथन I गलत है, कथन II सही है। D. दोनों कथन गलत हैं।	
23.	सत्ता की साझेदारी के रूपों के संबंध में सही मिलान ज्ञात कीजिए। A. क्षेत्रीय विभाजन – सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच B. ऊर्ध्वाधर विभाजन – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच C. संघवाद – सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच शक्ति का ऊर्ध्वाधर विभाजन D. शक्ति-साझाकरण – केवल एकात्मक व्यवस्थाओं में संभव	1
24.	लोकतंत्र में सामाजिक भिन्नताओं के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है? A. सामाजिक विविधता का अस्तित्व लोकतंत्र को खतरा नहीं पहुँचाता। B. सामाजिक भिन्नताओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति कभी-कभी वांछनीय होती है। C. लिंग, धर्म और जाति पर आधारित सामाजिक भिन्नताएँ सामाजिक विभाजन का रूप ले सकती हैं। D. इन भिन्नताओं पर आधारित विभिन्न अभिव्यक्तियाँ लोकतंत्र में हमेशा अस्वस्थ होती हैं।	1
25.	सामाजिक भिन्नताओं के संदर्भ में कौन-सा कथन गलत है? A. सामाजिक विविधता लोकतंत्र को खतरा नहीं पहुँचाती। B. सामाजिक भिन्नताओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति संभव और कभी-कभी वांछनीय है। C. लिंग, धर्म और जाति ही एकमात्र सामाजिक भिन्नताएँ हैं जो मायने रखती हैं। D. हमें यह पूछना चाहिए कि इन भिन्नताओं पर आधारित अभिव्यक्तियाँ लोकतंत्र के लिए स्वस्थ हैं या नहीं।	1
26.	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है? A. बेल्जियम और श्रीलंका की कहानियाँ शक्ति-साझाकरण की आवश्यकता के सामान्य निष्कर्ष देती हैं। B. संघवाद शक्ति के ऊर्ध्वाधर विभाजन का सबसे सामान्य नाम है। C. लिंग, धर्म और जाति पर आधारित सामाजिक भिन्नताएँ कभी असमानताएँ पैदा नहीं करतीं। D. स्थानीय सरकार भारतीय संघवाद का नया और तीसरा स्तर है।	1

27.	संघवाद क्या है? सत्ता की साझेदारी का वह एक प्रमुख रूप बताइए जिसे सामान्यतः संघवाद कहा जाता है।	2
28.	विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का बुद्धिमानी भरा बँटवारा लोकतंत्र की संरचना के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? कोई दो कारण दीजिए। अथवा बेल्जियम और श्रीलंका की स्थितियाँ सत्ता की साझेदारी की आवश्यकता को समझने में हमारी कैसे मदद करती हैं? वर्णन कीजिए।	1+2 =3 3
29.	भारत में संघवाद के सिद्धांत और व्यवहार की व्याख्या कीजिए। स्थानीय सरकार के तीसरे स्तर ने भारतीय संघवाद को कैसे मजबूत किया है? अथवा 'सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच शक्ति का ऊर्ध्वाधर विभाजन आधुनिक लोकतंत्रों में सत्ता की साझेदारी के प्रमुख रूपों में से एक है।' भारतीय संघवाद के संदर्भ में इस कथन की परीक्षा कीजिए।	5 5
30.	नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। <i>सामाजिक विविधता का अस्तित्व लोकतंत्र को खतरा नहीं पहुँचाता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक भिन्नताओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति संभव है और कभी-कभी काफी वांछनीय भी है। इस अध्याय में हम इन विचारों को भारत में लोकतंत्र के व्यवहार पर लागू करते हैं। हम तीन प्रकार की सामाजिक भिन्नताओं पर ध्यान देते हैं जो सामाजिक विभाजन और असमानताओं का रूप ले सकती हैं। ये लिंग, धर्म और जाति पर आधारित सामाजिक भिन्नताएँ हैं।</i> 30.1. स्रोत के अनुसार सामाजिक विविधता का अस्तित्व क्या लोकतंत्र को खतरा पहुँचाता है? (1) 30.2. अध्याय में चर्चा की गई तीन प्रकार की सामाजिक भिन्नताओं के नाम लिखिए। (1) 30.3. लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक भिन्नताओं की राजनीतिक अभिव्यक्ति कभी-कभी क्यों वांछनीय होती है? स्पष्ट कीजिए। (2)	1+1 +2 =4
	खंड - घ (अर्थशास्त्र)	20
31.	नीचे दो कथन दिए गए हैं जिन्हें अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है। कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। अभिकथन (A): आर्थिक विकास को मापा जा सकता है और आय विकास मापने की सबसे सामान्य विधि है। कारण (R): आय विधि उपयोगी होने के बावजूद इसमें कई कमियाँ हैं; इसलिए जीवन की गुणवत्ता और पर्यावरणीय स्थिरता का उपयोग करने वाले नए तरीकों की आवश्यकता है। विकल्प A. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है। B. A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता। C. A सही है, R गलत है। D. A गलत है, R सही है।	1

32.	नीचे दिए गए कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। कथन I: लोगों के विकास के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण होते हैं। कथन II: विकास के लिए सामान्य संकेतक प्राप्त करने के तरीके मौजूद हैं। विकल्प A. दोनों कथन सही हैं। B. कथन I सही है, कथन II गलत है। C. कथन I गलत है, कथन II सही है। D. दोनों कथन गलत हैं।	1
33.	दिए गए विकल्प की सहायता से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। प्राथमिक क्षेत्रक को क्षेत्र भी कहा जाता है। विकल्प A. तृतीयक B. कृषि संबंधी C. विनिर्माण संबंधी D. सेवा संबंधी	1
34.	अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों का अध्ययन करने का क्या महत्व है? क्षेत्रीय वर्गीकरण के कोई दो आधार बताइए।	2
35.	देशों या राज्यों के विकास की तुलना के लिए उपयोग किए जाने वाले किन्हीं तीन सामान्य संकेतकों की व्याख्या कीजिए। अथवा आय अकेले विकास का पर्याप्त संकेतक क्यों नहीं है? कोई तीन कारण दीजिए।	3 3
36.	भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों की बदलती भूमिकाओं का वर्णन कीजिए। सेवा क्षेत्र का तीव्र विकास क्यों हुआ है?	3
37.	‘विकास के कई पहलू हैं। लोगों के विकास के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण होते हैं।’ इस कथन पर चर्चा कीजिए और बताइए कि विकास के सामान्य संकेतक कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं। जीवन की गुणवत्ता और पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व का भी उल्लेख कीजिए। अथवा ‘भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र’ अध्याय में चर्चा किए गए क्षेत्रीय वर्गीकरण के तीन प्रकारों की व्याख्या कीजिए। क्षेत्रों की भूमिकाओं में परिवर्तन से उत्पन्न समस्याओं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर प्रकाश डालिए।	5 5
38.	नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। <i>विकास या प्रगति का विचार हमेशा हमारे साथ रहा है। हमारी आकांक्षाएँ या इच्छाएँ होती हैं कि हम क्या करना चाहेंगे और कैसे जीना चाहेंगे। इसी तरह, हमारे पास इस बारे में विचार होते हैं कि एक देश कैसा होना चाहिए। वे आवश्यक चीजें क्या हैं जिनकी हमें आवश्यकता है? क्या सभी के लिए जीवन बेहतर हो सकता है? लोगों को एक साथ कैसे रहना चाहिए? क्या अधिक समानता हो सकती है? विकास इन प्रश्नों के बारे में सोचने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीकों के बारे में है।</i>	1+1 +2 =4

	38.1. स्रोत के अनुसार विकास में क्या शामिल है?	(1)	
	38.2. विकास के विषय में सोचते समय लोग प्रश्न पूछते हैं, उसका उल्लेख कीजिए।	(1)	
	38.3. विकास के विचार को एक जटिल कार्य क्यों कहा गया है? कोई दो बिंदु दीजिए।	(2)	

भारत- राजनैतिक
INDIA-POLITICAL

